भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1473 का उत्तर

रींगस-खाटू-लोसल-डीडवाना रेललाइन का सर्वेक्षण

1473. श्री अमरा राम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सीकर में कितनी रेल परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं तथा उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है, जिन पर सर्वेक्षण किया जा रहा है; और

(ख) रींगस-खाटू-लोसल-डीडवाना नई रेललाइन पर किए गए सर्वेक्षण का ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा की गई/की जा रही कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

रींगस-खाटू-लोसल-डीडवाना रेललाइन के सर्वेक्षण के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री अमरा राम के अतारांकित प्रश्न सं. 1473 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं/सर्वेक्षणों को राज्य-वार/जिला-वार/क्षेत्र-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत किया जाता है, क्योंकि भारतीय रेल परियोजनाएं राज्य/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, सीकर सहित राजस्थान में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली ₹51814 करोड़ लागत वाली 4191 कि.मी. कुल लंबाई की 32 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (15 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 12 दोहरीकरण) हैं, जो योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 1183 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹14786 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इनमें शामिल है:

- **₹20997 करोड़ की लागत वाली 1230 कि.मी. कुल लंबाई की 15 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 134 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹3593 करोड़ का व्यय किया गया है।**
- **₹8334 करोड़ की लागत वाली 1252 कि.मी. कुल लंबाई की 05 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिनमें से 759 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹5398 करोड़ का व्यय किया गया है।**
- **₹22483 करोड़ की लागत वाली 1709 कि.मी. कुल लंबाई की 12 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 290 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक ₹5794 करोड़ का व्यय किया गया है।**

2014 से, अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन और तदनुरूपी कमीशनिंग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों और तदनुरूपी कमीशनिंग के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

बजट आवंटन:

अवधि	औसत परिव्यय	वर्ष 2009-14 के दौरान औसत आबंटन की तुलना में परिवर्तन
2009-14	682 करोड़ रु. प्रति वर्ष	-
2023-24	9532 करोड़ रु.	लगभग 14 गुना
2024-25	9959 करोड़ रु.	लगभग 14 गुना

कमीशनिंग :

अवधि	औसत कमीशनिंग	वर्ष 2009-14 के दौरान कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि
2009-14	798 किलोमीटर (159.6 किलोमीटर प्रति वर्ष)	-
2014-24	3742 किलोमीटर (374.2 किलोमीटर प्रति वर्ष)	2 गुना से अधिक

पिछले तीन वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25) के दौरान सीकर सहित राजस्थान में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 4894 कि.मी. कुल लंबाई की 54 परियोजनाओं (23 नई लाइन और 31 दोहरीकरण) के सर्वेक्षण को स्वीकृत किया गया है।

रींगस-खाटूश्यामजी (17.49 किलोमीटर) के बीच नई रेल लाइन को हाल ही में स्वीकृत किया गया है। खाटूश्यामजी के रास्ते रींगस-डीडवाना नई लाइन (105.50 किलोमीटर) के लिए सर्वेक्षण किया गया था, लेकिन कम यातायात अनुमानों के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका। रींगस और डीडवाना भारतीय रेल नेटवर्क पर मौजूदा स्टेशन हैं जो फुलेरा के माध्यम

से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, हाल ही में खाटूश्यामजी-सालासरजी-सुजानगढ़ (45 किलोमीटर) के बीच नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण को स्वीकृत किया गया है।

भारतीय रेल में रेल परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, असंबद्ध कस्बों और शहरों को जोड़ने, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोणों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों आदि पर निर्भर करता है।

*****